(i) Four-lane road from Vivekanand bridge (near Calcutta) to Joypurbeel.

(ii) Two-lane road from Joypurbeel in West Bengal to Subernrekha bridge on the Bihar| Orissa border including the construction of bridges over the Rupnarain and Kangsabati rivers.

(iii) Single-lane road from Subernrekha bridge to Cuttack including the construction of bridges over the Mahanadi, Birupa, Brahamani, Kharswan, Baitarni, Salandi, Nuniajihari and Budabalang rivers.

(d) See (a) above.

Works Committee of Indian Agricultural Research Institute

875. Shri Tangamani: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the date on which the elections of the Works Committee of the Indian Agricultural Research Institute were held;

(b) the number of meetings and the date on which they were held;

(c) whether it is a fact that meetings of the Works Committee have not been held at least once in three months as required under the Indian Disputes (Central) Rules, 1957; and

(d) if so, the reasons therefor?

The Deputy Minister of Agriculture (Shri M. V. Krishnappa): (a) The elections of the Works Committee at the Indian Agricultural Research Institute were held on 29-2-1960.

(b) So far four meetings of the Works Committee have been held one each on 14-6-1960, 22-6-1960, 8-11-1960 and 11-4-1960.

(c) and(d) Yes. The meeting of the Works Committee could not be held strictly once in three months for want of sufficient number of items for discussion.

Coconut Research Station in Orissa

876. Shri Chintamoni Panigrahi: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) what is the estimated production of coconuts in Orissa in 1961, as compared to 1959 and 1960;

(b) whether the Government has agreed to upgrade the Regional Coconut Research Station at Sakhigopal in Orissa to a full-fledged research station;

(c) whether any financial assistance has been given to this research station in 1960-61 and 1961-62; and

(d) if so, what amount?

The Minister of Food and Agriculture (Dr. P. S. Deshmukh): (a) The estimated production of coconuts in Orissa during the years 1958-59, and 1959-60 is given below:—

1958-59	15,937 thousand nuts
1959-60	46,056 thousand nuts

Information for 1960-61 is not available so far.

(b) No such proposal is under the consideration of the Central Government.

(c) and (d). An amount of Rs. 9,638 was paid by the Indian Central Coconut Committee in the year 1960-61. Grants are remitted half-yearly on receipt of information from the State Government regarding the actual expenditure incurred. No grant has been paid for the year 1961-62 so far.

रेलवे सेवाओं में पिछड़े वर्गों के लिये संरक्षण

८७७. **श्री अमर सिंह डावर** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेलवे सेवाओं में पिछड़े वर्गों के लिये कोई पद रक्षित हैं; और

(ख) यदि हां, तो कितने प्रतिशत स्थान रक्षित हैं और यह नियम कब से लागू है ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). सिर्फ अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिये जगहें आरक्षित है जो इस प्रकार हैं :—

अनुसूचित जाति :

अखिल भारतीय आधार पर यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन या रेलवे सर्विस कमीशनों द्वारा प्रतियोगिता परीक्षा लेकर भर्ती . १२ ½%

अन्य प्रकार से भर्ती अर्थात् स्थानीय या प्रदेशिक आधार पर . १६ ⅔%

अनुसूचित आदिम जाति :

यह आरक्षण २६–१–१९६० से लागू है ५ %

रेलवे में विभागीय भोजन व्यवस्था

८७८. **श्री अमर सिंह डामर** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जब से रेलवे में विभागीय भोजन-व्यवस्था आरम्भ हुई है तब से रेलवे को कितना लाभ या हानि हुई;

(ख) इस योजना के अन्तर्गत कितने आदमी रेलवे में नियुक्त किए गये; और

(ग) इन व्यक्तियों के वेतन और वर्दी पर प्रति मास कितना खर्च किया जाता है ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) विभागी खान-पान व्यवस्था सभी रेलों पर १९५५–५६ से शुरू हुई । तब से वह इस व्यवस्था में जितना घाटा रहा वह इस प्रकार है :—

वर्ष	घाटा (हजार रुपयों में)
१९५५–५६	११,०१
१९५६–५७	१७,५३
१९५७–५८	२१,९८
१९५८–५९	१०,९२
१९५९–६०	३,७८
१९६०–६१	४.३५*

*अनुमानित

(ख) और (ग).सूचना मंगायी जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

रेलवे में रूसी ढंग के माल डिब्बे

८७९. **श्री अमर सिंह डामर** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में कितनी रेलवे अपने यहां रूसी ढंग के माल डिब्बों का प्रयोग कर रही हैं; और

(ख) इन की लागत और क्षमता को देखते हुए ये माल डिब्बे उपयोगी सिद्ध हुए हैं या नहीं ।

रेलवे उपमन्त्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) :

(क) कोई नहीं ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

चितरंजन लोको वर्कशाप में इंजनों का उत्पादन

८८०. **श्री अमर सिंह डामर** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चितरंजन लोकोमोटिव वर्कशाप में जब से उसने काम शुरू किया प्रति मास औसतन कितने इंजन बनते हैं; और

(ख) ये इंजन किसी गड़बड़ के बिना कितने समय तक ठीक चलते हैं ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). एक बयान सभा पटल पर रखा गया [देखिये परिशिष्ट १८ अनुबन्ध संख्या १०६]